भेड़ एवं बकरियों में विषाणु से होने वाली संक्रामक बीमारी जो शीघ्र ही महामारी का रूप ले लेती है।

पी0 पी0 आर0

लक्षण :–

- अचानक तेज ज्वर (104°–107°F) के साथ पशु सुस्त हो जाता है।
- शुरू में आँख, नाक और मुँह से सफेद तरल पदार्थ का रिसाव, जो बाद में गाढ़ा, चिपचिपा एवं पीला हो जाता है और सूखने पर नाक को बंद कर देता है जिससे साँस लेने में तकलीफ तथा कभी–कभी खाँसी होने लगती है।
- दो तीन दिन में मुँह के अन्दर छाले बन जाते हैं तथा पतला बदबूदार खून मिश्रित दस्त होने लगता है।
- बीमार पशु में पानी की कमी होने से पशु अत्यधिक कमजोर हो जाता है।
- गर्भवती बकरी में गर्भपात की प्रबल संभावना रहती है।

इलाज :–

- रोग के प्रारंभिक लक्षण प्रकट होते ही पशु चिकित्सक से तुरंत उपचार कराना चाहिए।

बचाव :–

- विषाणु जनित बीमारी होने के कारण इसका बचाव ही एकमात्र उपाय है।
- इसके बचाव के लिए पी0 पी0 आर0 बीमारी के विरूद्ध टीकाकरण आवश्यक है।
- जन्म के चार महीने के उपरान्त पहला टीका लगाना आवश्यक है।
- पी0 पी0 आर0 का टीका तीन वर्षों के अंतराल पर दिया जाता है।